छत्तीसगढ़ हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा, 2014

10वीं हिन्दी माध्यम

विषय : हिन्दी विशिष्ट Set-A

निर्देश— I. सभी प्रश्न ही कीजिए।

II. प्रश्न क्रमांक 1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न खण्ड—अ, ब में विभाजित है। इसमें 10 अंक निर्धारित है।

III. प्रश्न क्रमांक 2 से 7 तक के उत्तर 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में 2 अंक निर्धारित है।

IV. प्रश्न क्रमांक 8 से 13 तक के उत्तर 50 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में 3 अंक निर्धारित है।

V. प्रश्न क्रमांक 14 से 19 तक के उत्तर 75 शब्दों में दीजिए। इनमें विकल्प दिया गया है। प्रत्येक प्रश्न में 4 अंक निर्धारित है।

VI. प्रश्न क्रमांक 20 से 22 एवं 24 तक के उत्तर 150 शब्दों में दीजिए। इनम विकल्प दिया गया है। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित है।

VII. प्रश्न क्रमांक 23 एवं 25 में 8 अंक निर्धारित है। प्रश्न क्रमांक 25 का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

खण्ड—अ

1. सही विकल्प चुनकर लिखिए:

(i) 'नागरी प्रचारिणी सभा' के संस्थापक थे—
(क) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (ख) बाबू गुलाबराय
(ग) महावीर प्रसाद द्विवेदी (घ) हजारी प्रसाद

(ii) मधुलिका ने पुरस्कार में माँगा—
(क) अपनी जमीन (ख) अरूण
(ग) मृत्युदण्ड (घ) कोशल नरेश

(iii) 'वर्षा सुन्दरी के प्रति' कविता में काव्यगुण है—
(क) ओज गुण (ख) माधुर्य गुण
(ग) प्रसाद गुण (घ) विशेष गुण

(iv) स्वीडन के विख्यात वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल ने आविष्कार किया था—
(क) रडार (ख) ग्रामोफोन
(ग) ट्रांजिस्टर (घ) डायनामाइट

(v) पापात्माओं का केन्द्र किस दिशा को माना गया है—
(क) उत्तर (ख) दक्षिण
(ग) पूर्व (घ) पश्चिम

खण्ड—ब

उचित सम्बन्ध जोड़िए :

'क'	'ख'
(i) सुदामा के गुरु	(a) तुलसीदास
(ii) करुण रस	(b) सूरदास
(iii) बेदमती	(c) शोक
(iv) वैराग्य संदीपनी	(d) संदीपनी
(v) साहित्य लहरी	(e) पंडवानी की एक शैली

2. उपमा अलंकार के चार अंगों के नाम लिखिए।
3. 'पुरस्कार' कहानी के अंत में मधुलिका बंदी अरुण के पास जाकर क्यों खड़ी हुई।
4. अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार किस भारतीय को मिला? उनकी लिखित एक पुस्तक का नाम लिखिए।
5. कम्प्यूटर के दो प्रमुख अंगों के नाम लिखिए।
6. पंडवानी गायन के क्षेत्र में सर्वाधिक ख्याति किन्हें मिली? भारत सरकार ने उसे कौन-सा सम्मान प्रदान किया था?
7. 'मातृभूमि' कविता से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?
8. किसी भाव के बुरे या अच्छे होने की कसौटी क्या है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
9. 'वर्षा सुन्दरी के प्रति' गीत में कवयित्री ने वर्षा को रूपसि की संज्ञा दी है। वर्षा और रूपसि में निहित तीन समानताओं का उल्लेख कीजिए।
10. दीपदान एकांकी का नाम 'दीपदान' रखने की सार्थकता पर विचार व्यक्त कीजिए।
11. गूँगे और ज्ञानी की तुलना पर कबीर क्या कहना चाहते हैं?
12. संत कंवरराम जी शहीद कैसे हुए?
13. **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्य को शुद्ध करके लिखिए :**
(i) अपने हाथ से स्वयं काम करो। (ii) सुनते सुनते काम पक गया।
(iii) उसकी सौन्दर्यता पर मुग्ध हूँ।
14. गुरु घासीदास जी के संदेश कौन-कौन से हैं? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पंडवानी के कथा-गायन का केन्द्रीय चरित्र कौन है? स्पष्ट कीजिए।

15. 'कबीर दास' अथवा 'मैथिलीशरण गुप्त' का साहित्यिक परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए--
(i) कोई दो रचनाएँ (ii) भावपक्ष की तीन विशेषताएँ
(iii) कलापक्ष की तीन विशेषताएँ

16. जयशंकर प्रसाद' अथवा 'डॉ० रामकुमार वर्मा' का साहित्यिक परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए--
(i) कोई दो रचनाएँ (ii) भाषा-शैली
(iii) साहित्य में स्थान।

17. "मजदूर नहीं होते तो संसार का विकास रुक जाता।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

संसार की उन्नति में मजदूरों का क्या योगदान है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

18. वक्त की पाबंदी के संबंध में गाँधी जी का क्या दृष्टिकोण था? कोई दो उदाहरण देकर समझाइए।

अथवा

गाँधी जी के प्रमुख सिद्धान्त कौन-कौन से थे? उल्लेख कीजिए।

19. महाकाव्य की विशेषताएँ लिखिए। (कोई चार)

अथवा

आख्यानक काव्य की विशेषताएँ लिखिए। (कोई चार)

20. सूर "वात्सल्य का कोना-कोना झाँक आए हैं।" स्पष्ट कीजिए।

अथवा

राम के बाल-रूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।

21. **निम्नलिखित पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग व्याख्या कर उसकी विशेषताएँ लिखिए :**

"इन स्निग्ध लटों से छा दे तन,
पुलकित अंकों में भर विशाल,
झुक सस्मित शीतल चुम्बन से,
अंकित कर इसका मृदुल भाल,
दुलरा दे ना बहला दे ना,
यह तेरा शिशु जग है उदास।
रूपसि। तेरा घन-केश-पाश।

अथवा

निर्मल तेरा नीर अमृत के, सम उत्तम है,
शीतल मंद सुगंध पवन हर लेता श्रम है,
षट्ऋतुओं का विविध दृश्य युत अद्भुत क्रम है,
हरयाली का फर्श नहीं मखमल से कम है,
शुचि सुधा सींचता राम में, तुझ पर चन्द्र प्रकाश है,
हे मातृभूमि! दिन में तरणि, करता तम का नाश है॥"

22. **निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कर उसकी विशेषताएँ लिखिए :**

"कर्म में आनंद का अनुभव करने वालों ही का नाम कर्मण्य है। धर्म और उदारता के उच्च कर्मों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनंद भरा रहता है कि कर्ता को वे कर्म ही फल स्वरूप लगते हैं। अत्याचार का दमन और क्लेश का शमन करते हुए चित्त में जो उल्लास और तुष्टि होती है वही लोकोपकारी कर्मवीर का सच्चा सुख है। उसके लिए सुख तब तक के लिए रुका नहीं रहता जब तक कि फल प्राप्त न हो जाए बल्कि उसी समय से थोड़ा थोड़ा करके मिलने लगता है, जब से वह कर्म की ओर हाथ बढ़ाता है।"

अथवा

'मेरे निर्माण की परिधि की व्यापकता अनंत है, उद्याचल से अस्ताचल तक, क्षितिज के छोरों तक। हजारों वर्ष पहले कलयुग भी जब कभी अंतराल के गर्भ में था, मैंने नदियों के बहाव रोक दिए, बहाव जो अभी ताजा थे, प्रखर प्रकृति वेग से प्रेरित। बहाव रोककर सुविस्तृत ह्रद बनाए, जिन पर पर्जन्य विरहित भूमि की उर्वरा शक्ति अवलंबित हुई। बढ़ते हुए समुंदर का मैंने जल सुखाया, दलदलों को ठोस जमीन का जामा पहनाया और उन फसलों की हरी धानी क्यारियाँ दौड़ाई।"

23. **निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे कोई चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

"भय का जन्म अज्ञान से होता है। हम भयग्रस्त होते हैं, क्योंकि हम अपनी दिव्य कार्यशक्ति आशाओं और संभावनाओं के प्रति सजग नहीं रह पाते। हमारे भय का मुख्य कारण है कि हम अपने-आपको एक पृथक् इकाई मानते हैं। अपनी सत्ता को हम ऐसा समझते हैं कि सृष्टिकर्ता ने इस ब्रह्माण्ड में संग्राम और संघर्ष करने के लिए हमें अकेला फेंक दिया है। परन्तु वास्तविकता यह है कि हम उस कर्ता की विशाल योजनाओं का एक अभिन्न अंग मात्र हैं। हम उस महान सृजन-शक्ति का एक महत्वपूर्ण अंश हैं। हम रोग से भयभीत क्यों होते हैं? क्योंकि हम नहीं जानते कि स्वास्थ्य ही हमारा जीवन है, यही हमारी स्वाभाविक दशा है। स्वास्थ्य के नियमों को जानकर भी अनदेखी करते हैं। स्वस्थ रहने के लिए प्रयत्न ही नहीं करते हैं। स्वास्थ्य से अधिक महत्व स्वाद को देते हैं। केवल स्वास्थ्य के अभाव का ही नाम रोग है। प्रकाश के अभाव का नाम अंधकार है। अज्ञानता का ही दूसरा नाम भय है। हम तुच्छ तब बनते हैं जब हम भय को उस सर्वशक्तिमान से बड़ा मानकर उसके आगे झुकते हैं।"

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ख) रोग क्या है?
(ग) हम क्या हैं?
(घ) हम तुच्छ कब बनते हैं?
(ङ) भय का प्रधान कारण क्या है?

24. आपका नाम अभिनव कपूर है। आप शास० बहु० उच्च० माध्य० शाला, बिलासपुर में कक्षा दसवीं के छात्र हैं। अपने प्राचार्य को शुल्क मुक्ति हेतु आवेदन-पत्र लिखिए।

अथवा

सचिव, छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर को दसवीं बोर्ड परीक्षा की अंक सूची की द्वितीय प्रति प्राप्त करने हेतु एक आवेदन-पत्र लिखिए।

25. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए :

(क) राष्ट्रीय एकता (ख) समाचार-पत्र
(ग) मेरा ग्राम पंचायत (घ) विद्यार्थी और अनुशासन
(ङ) हमारा प्रिय खेल—'क्रिकेट'।